

स्नातक उपाधि कार्यक्रम
(बी.डी.पी.)

सत्रीय कार्य
2023-24

वाणिज्य में ऐच्छिक पाठ्यक्रम
ई.सी.ओ. - 14 : लेखाविधि-II

जुलाई 2023 तथा जनवरी 2024 प्रवेश सत्र के लिए



प्रबंध अध्ययन विद्यापीठ
इन्दिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय
मैदान गढ़ी, नई दिल्ली- 110068

वाणिज्य में ऐच्छिक पाठ्यक्रम
ई.सी.ओ. – 14 : लेखाविधि-II

सत्रीय कार्य –2023–24

प्रिय छात्र/छात्राओं,

जैसा कि कार्यक्रम दर्शिका में स्पष्ट किया गया है, इस कार्यक्रम में आपको प्रत्येक पाठ्यक्रम के लिए एक सत्रीयकार्य करना है। सभी सत्रीय कार्य आपको एक साथ भेजे जा रहे हैं।

अंतिम परीक्षा में सत्रीय कार्य के लिए 30%अंक निर्धारित हैं। सत्रांत परीक्षा में बैठने योग्य होने के लिए यह आवश्यक है कि समय सूची के अनुसार आप इस सत्रीय कार्य को पूरा करके भेज दें। सत्रीय कार्य को करने से पहले आपको चाहिए कि कार्यक्रम दर्शिका में दिए गए निर्देशों को ध्यानपूर्वक पढ़ लें, जिसे आपके पास अलग से भेजा गया है।

यह सत्रीय कार्य दो प्रवेश सत्र अर्थात् (जुलाई 2023 और जनवरी 2024)के लिए वैध है, इसकी वैधता निम्नलिखित है :-

1. जो जुलाई 2023, में पंजीकृत है उनकी वैधता जून 2024 तक है।
2. जो जनवरी 2024, में पंजीकृत है उनकी वैधता दिसम्बर 2024 तक है।

यदि आप जून सत्रांत परीक्षा में बैठना चाहते हैं तो इन्हें 15 मार्च तक अवश्य जमा कर दें। यदि आप दिसम्बर सत्रांत परीक्षा में बैठना चाहते हैं तो आपके लिए आवश्यक है कि आप इसे 15 सितम्बर तक अध्ययन केंद्र के संयोजक के पास जमा कर दें।

अध्यापक जाँच सत्रीय कार्य

पाठ्यक्रम का कोड	:	ई. सी. ओ. -14
पाठ्यक्रम का शीर्षक	:	लेखाविधि-II
सत्रीय कार्य का कोड	:	ई. सी. ओ. -14/टी. एम. ए./ 2023-2024
खण्डों की संख्या	:	सभी खण्ड

अधिकतम अंक :100

सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

1. निम्नलिखित पर लेखांकन उपचार सहित संक्षिप्त टिप्पणी लिखें: (5,5,5,5)
 - क) पारगमन में नकदी
 - ख) पारगमन में माल
 - ग) शाखा से प्रभार्य/प्रधान कार्यालय व्यय
 - घ) अंतर शाखा लेनदेन
2. संयुक्त जीवन नीति की आवश्यकता क्यों है? खातों में संयुक्त जीवन नीति के उपचार के विभिन्न तरीके क्या हैं? (20)
3. उन विभिन्न तरीकों पर चर्चा करें जिनसे कोई कंपनी अपने ऋणपत्र को छुड़ा सकती है। (20)
4. 1 जनवरी 1987 को, ए. बी. सी लिमिटेड ने कुछ संयंत्र और मशीनरी रुपये की लागत से बेचीं। किराया खरीद पर XYZ लिमिटेड को 28,000 (नकद मूल्य)। भुगतान रुपये के रूप में किया जाना था। 7,500 कैश डाउन और रुपये की तीन किस्तें। प्रत्येक वर्ष के अंत में 7,500 रु. ब्याज दर 5% प्रति वर्ष थी। परिसंपत्ति के लिए मूल्यहास की दर 10% प्रति वर्ष थी। XYZ लिमिटेड ने डाउन पेमेंट किया और पहली किस्त का भुगतान किया। लेकिन वे दूसरी किस्त नहीं चुका सके। नतीजतन, एबीसी लिमिटेड ने माल वापस ले लिया। एबीसी लिमिटेड ने रुपये खर्च किये। मरम्मत पर 300 रुपये खर्च किये और संपत्ति को रुपये में बेच दिया। 15,350. दोनों पक्षों की पुस्तकों में खाता-बही खोलें। (20)
5. साझेदारी और कंपनी संगठन के रूपों के बीच अंतर स्पष्ट करें। (20)